इकाई III

6. भारत में मानवाधिकारों की अवधारणा, संवैधानिक प्रावधान तथा वर्तमान चुनौतियों पर विस्तृत निबंध लिखिए । **16**

7. लोक अदालत की प्रासंगिकता, महत्व तथा साधारण अदालतों से तुलना कीजिए । **16**

इकाई IV

8. निम्नलिखित विधि शब्दों के अंग्रेजी अर्थ लिखकर प्रत्येक का एक-एक हिंदी वाक्य में प्रयोग कीजिए : **16**

नियंत्रक प्राधिकारी, पदेन, परिनियम, पूर्ण स्वामित्व, प्रतिग्रहण, प्रशासनिक विवेकाधिकार, भरण-पोषण भत्ता, राजपत्र ।

9. निम्नलिखित विधि शब्दों के अंग्रेजी अर्थ एवं हिंदी में प्रयोग लिखिए : **16**

प्रत्यर्पण संधि, बिना क्षति के हानि, योगदायी उपेक्षा, विश्वसनीय साक्षी, विधियों का समान संरक्षण, स्थगित करना, सहदायिकी संपत्ति, संसदीय स्थायी समिति ।

❖❖❖❖❖❖❖

No. of Printed Pages : 04 Roll No. .....

52104

B.A.LL.B. (Hons.) EXAMINATION, 2026

(Second Semester)

(Regular & Re-appear)

HINDI-II

Time : Three *Hours*] [*Maximum Marks :* 80

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : प्रत्येक इकाई में से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न क्र. **1** अनिवार्य है जिसमें प्रत्येक 2-2 अंक के आठ लघु उत्तरीय प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के अंक (16) समान हैं ।

(अनिवार्य प्रश्न)

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8×2=16**

(क) 'महाभोज' उपन्यास की मूल संवेदना लिखिए ।

(ख) बिसू पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'महाभोज' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(घ) भारत में मानवाधिकारों की अवधारणा लिखिए ।

(ङ) न्यायपालिका की जवाबदेही से क्या अभिप्राय है ?

(च) भारतीय गणराज्य की धर्मनिरपेक्षता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(छ) लोक अदालत की प्रासंगिकता बताइए ।

(ज) 'परमादेश' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग लिखिए ।

इकाई I

2. 'महाभोज' उपन्यास की मूल संवेदना का विस्तारपूर्वक विश्लेषण कीजिए । उपन्यासकार ने किस सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ को उजागर किया है ? **16**

3. बिसू पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । उपन्यास में उसके माध्यम से उपन्यासकार ने क्या संदेश दिया है ? **16**

इकाई II

4. **गद्यांश-1**

''लावारिस लाश को गिद्ध नोच-नोचकर खा जाते हैं। पर बिसेसर लावारिस नहीं । उसकी लाश सड़क के किनारे पुलिस को पड़ी मिली, शायद इसीलिए लावारिस लाश का खयाल आ गया । वरना उसके तो माँ भी है, बाप भी । गरीब भले ही हों, पर हैं तो ।''

गद्यांश-2

''महीने भर पहले की तो बात है, गाँव की सरहद से जरा परे हट कर जो हरिजन टोला है वहाँ कुछ झोपड़ियों में आग लगा दी गई थी, आदमियों सहित। चीख-पुकार सुनकर भी कोई नहीं आया । राजनीति की आग तो ऐसे ही जलाती है, जिसमें गरीबों का खून चुपचाप जल जाता है ।'' **16**

5. **गद्यांश-1**

''दा साहब ने मुस्कुराते हुए कहा, 'लखन, आज का तुम्हारा आवेश देखकर अच्छा नहीं लगा मुझे । मेरे साथ चलना है तो भाई, जबान पर लगाम और व्यवहार में ठहराव चाहिए... समझे ?' लखन की पीठ पर हाथ रखकर उन्होंने स्नेह दिखाया, लेकिन आँखों में चेतावनी साफ थी ।''

गद्यांश-2

''महाभोज की मेज पर गरीबों का खून भी शामिल था । दा साहब, सुकुल बाबू, हीरा, बिंदा सब अपनी-अपनी थाली में हिस्सा बाँट रहे थे । एक दलित की मौत महाभोज बन गई थी, जिसमें सबका स्वाद था ।'' **16**